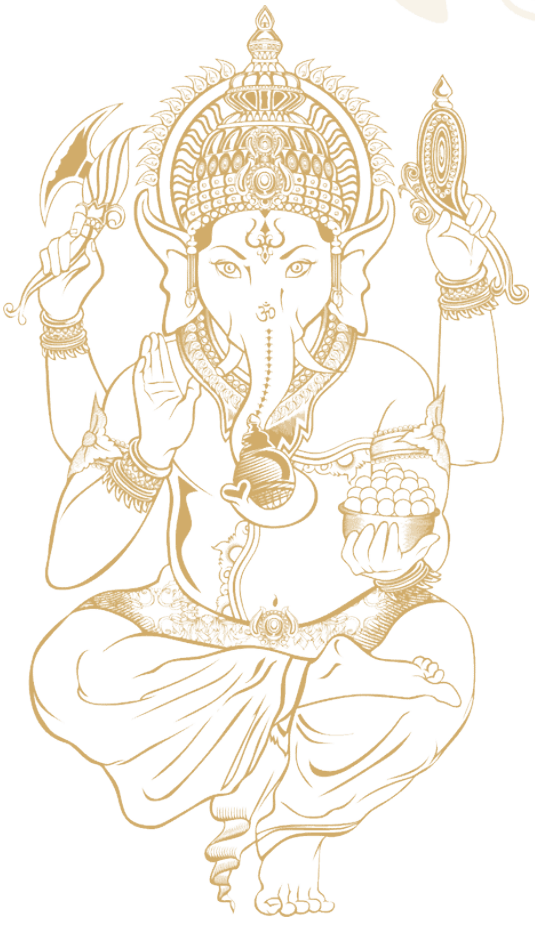

Mr. S jha

Ms. T jha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121599111

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/10/1997	जन्म तिथि	16-17/03/1997
रविवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 10:42:00	जन्म समय	01:20:00 घंटे
घटी 12:25:48	जन्म समय(घटी)	48:36:05 घटी
India	देश	India
Jamshedpur	स्थान	Mumbai
22:47:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
86:12:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:40	सूर्योदय	06:46:33
17:17:21	सूर्यास्त	18:48:25
23:49:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 2मा 22दि		07:29:20	धनु	लग्न	धनु	02:42:48	राहु 11वर्ष 0मा 2दि	
राहु		02:01:47	तुला	सूर्य	मीन	02:27:01	शनि	
10/01/2012		13:41:49	वृष	चंद्र	मिथु	11:50:51	18/03/2024	
10/01/2030		20:37:59	वृश्चि	मंगल व	कन्या	03:08:54	19/03/2043	
राहु	23/09/2014	05:41:56	तुला	बुध	मीन	07:28:36	शनि	22/03/2027
गुरु	15/02/2017	18:28:06	मक	गुरु	मक	18:18:26	बुध	29/11/2029
शनि	23/12/2019	18:09:14	वृश्चि	शुक्र	कुंभ	28:12:56	केतु	08/01/2031
बुध	12/07/2022	22:22:29	मीन व	शनि	मीन	14:40:15	शुक्र	10/03/2034
केतु	30/07/2023	25:21:21	सिंह व	राहु व	कन्या	04:55:36	सूर्य	20/02/2035
शुक्र	30/07/2026	25:21:21	कुंभ व	केतु व	मीन	04:55:36	चन्द्र	20/09/2036
सूर्य	24/06/2027	10:55:17	मक	हर्ष	मक	13:32:50	मंगल	30/10/2037
चन्द्र	22/12/2028	03:23:02	मक	नेप	मक	05:34:01	राहु	05/09/2040
मंगल	10/01/2030	10:10:48	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:45:54	गुरु	19/03/2043

लग्न-चलित

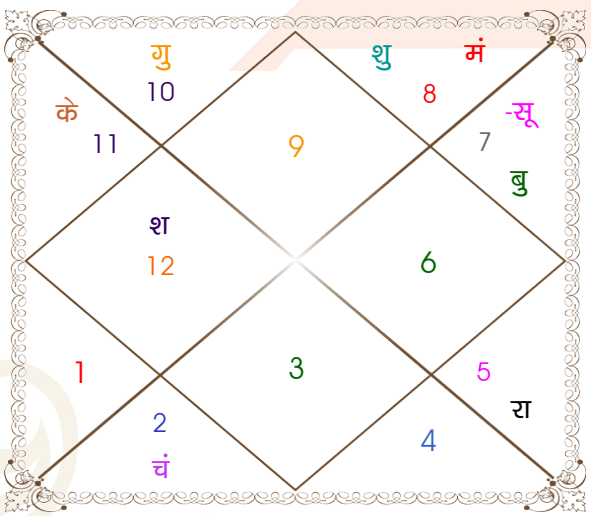

लग्न-चलित

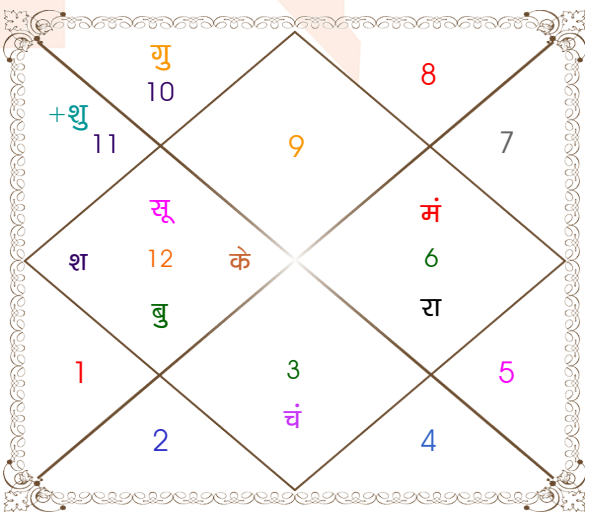

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ै रीं का वर्ग मृग है तथा डेण् ज रीं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ै रीं और डेण् ज रीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ै रीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ै रीं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ै रीं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण् ज रीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डतणै रीं तथा डेण ज रीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।